जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित एवं दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, हिमाचल प्रदेश और झारखण्ड राज्यों में प्रसारित

(DAVP-CODE No. 120390) भारत सरकार का रजि. नं. 10311/1965

साप्ताहिक

हमारा वतन

देश का अपना अखबार

ہمارا وطن ہفت روزہ

संस्थापित 1965

www.hamarawatan.in FOLLOW US:- Hamarawatan Hamarawatan65 Hamarawatan3 Hamarawatan

वर्ष- 60 अंक-11 जयपुर, सोमवार, 18 मार्च, 2024 वार्षिक शुल्क 200 रुपये (एक प्रति 4 रु.) पृष्ठ संख्या 4

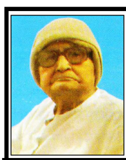
संस्थापक
स्व. श्री राजेन्द्र कुमार 'अजेय'
स्वतंत्रता सेनानी

संरक्षक
स्व. बाबू लाल सैनी

सम्पादक
राम गोपाल सैनी

अबकी बार होली पर बन रहा महालक्ष्मी राजयोग

हमारा वतन

हर साल फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि के दिन होली का पर्व मनाया जाता है जो कि हिंदुओं का सबसे प्रमुख त्योहार है। इस दिन एक-दूसरे को रंग लगाकर पुरानी बातों को भूलकर नई शुरुआत करते हैं। होली से एक दिन पहले होलिका दहन मनाया जाता है और इस दिन विशेष प्रकार की पूजा-पाठ की जाती है।

अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविन्द्राचार्य ने बताया कि वैदिक पंचांग की गणना के मुताबिक इस वर्ष होली पर कई तरह के योग बनने जा रहे हैं। होली पर जहां एक तरफ चंद्र ग्रहण लगेगा,वहीं शुक्र और मंगल की युति से होली पर महालक्ष्मी राजयोग बनने जा रहा है।

वैदिक ज्योतिष शास्त्र में महालक्ष्मी राजयोग को बहुत ही शुभ माना गया है। वैदिक राजयोग बनने से व्यक्ति के जीवन में धन लाभ और सफलता के योग बनते हैं। इस वर्ष होली 25 मार्च को है और शुक्र-मंगल की युति भी रहेगी। महालक्ष्मी राजयोग के निर्माण से कुछ राशि के जातकों के अच्छे और शुभ दिन शुरू होने के प्रबल संकेत हैं। जीवन में सुख-शांति, सफलता और आर्थिक स्थिति में सुधार के योग बन रहे हैं।

इस साल 24 मार्च को प्रातः 9:54 बजे फाल्गुन पूर्णिमा तिथि शुरु हो जाएगी और यह 25 मार्च को दोपहर 12:29 बजे खत्म होगी। फाल्गुन पूर्णिमा तिथि 25 मार्च को दोपहर तक ही है, ऐसे में होलिका दहन 24 मार्च को फाल्गुन पूर्णिमा तिथि में प्रदोष काल के समय होगा।

होलिका दहन का शुभ मुहूर्त -

होलिका दहन के दिन भद्रा सुबह 9:54 बजे से लग जाएगी और रात 11:13 बजे तक रहेगी। भद्रा होने के कारण इस साल प्रदोष काल में होलिका दहन नहीं हो पाएगी। ऐसे में भद्रा के खत्म होने का इंतजार करना होगा। 24 मार्च को होलिका दहन का समय रात 11:13 बजे से प्रातः 12:27 बजे तक है।

होलिका दहन की कहानी–

होलिका दहन का त्योहार विष्णु भक्त प्रह्लाद से जुड़ा हुआ है। प्रह्लाद के पिता हिरण्यकश्यप ने कठिन तपस्या करने के बाद भगवान ब्रह्मा जी से वरदान प्राप्त किया गया है और वरदान पाने के बाद खुद को ईश्वर मानने लगा। साथ ही अपने राज्य में भी आदेश सुना दिया कि भगवान की बजाय उसी का पूजन किया जाए।

वह अपने राज्य में सभी से अपनी पूजा करवाने लगा था। उसने वरदान के रूप में ऐसी शक्तियां कर ली थी कि कोई भी प्राणी, कहीं भी, किसी भी समय उसे मार नहीं सकता था। किसी भी जीव-जंतु, देवी-देवता, राक्षस या मनुष्य से अवध्य, न रात में न दिन में, न पृथ्वी पर, न आकाश में, न घर, न बाहर. कोई अस्त्र-शस्त्र भी उस पर असर न कर पाए।

हिरण्यकश्यप भगवान विष्णु का घोर विरोधी था लेकिन उसका पुत्र प्रहलाद स्वंय ही भगवान विष्णु का परम भक्त निकला। भक्त प्रहलाद हमेशा भगवान विष्णु की भक्ति में लीन रहा करते थे। इस वजह से उनके पिता हिरण्यकश्यप बहुत क्रोधित रहते थे। पूरे राज्य में जहां हिरण्यकश्यप का पूजन किया जाता था वहीं उसका खुद का पुत्र भगवान विष्णु का उपासक था। हिरण्यकश्यप ने कई बार प्रहलाद को समझाने की कोशिश की लेकिन असफल रहे। पिता हिरण्यकश्यप ने अपने पुत्र को मरवाने की भी हर कोशिश की, लेकिन भक्त प्रहलाद विष्णु भक्ति के कारण हर बार बच जाते।

अंत में हिरण्यकश्यप ने अपनी बहन होलिका से मदद मांगी क्योंकि होलिका को वरदान प्राप्त था कि वह अग्नि में जल नहीं सकती थी। इसलिए हिरण्यकश्यप ने होलिका को पुत्र प्रहलाद को गोद में लेकर आग में बैठने का आदेश दिया ताकि प्रहलाद जलकर मर जाए। अपने भाई के आदेश का पालन करते हुए होलिका प्रहलाद को लेकर आग में बैठ गई लेकिन तब भी प्रहलाद भगवान विष्णु के नाम का जप करते रहे और भगवान विष्णु की कृपा से प्रहलाद बच गए और होलिका उस आग में जलकर मर गई।

मुख्यमंत्री-मा वाउचर योजना- गर्भवती महिलाएं अब मुफ्त करा सकेंगी प्राइवेट सेंटरों में भी सोनोग्राफी

जयपुर (हमारा वतन)। गर्भवती महिलाओं को सोनोग्राफी के लिए अब भटकना नहीं होगा। शिशु मृत्यु दर में भी कमी लाई जा सकेगी, इसके लिए सरकार मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य (मा-वाउचर) योजना लागू करने जा रही है। फिलहाल पायलट प्रोजेक्ट के तहत इसे भरतपुर और फलौदी में लागू किया गया है। अप्रैल से इसे इसे पूरे प्रदेश में लागू किया जाएगा। गर्भवती महिलाओं को क्यू आर कोड आधारित ई-वाउचर मिलेगा। उस वाउचर को देकर किसी निजी सेंटर में भी सोनोग्राफी कि जा सकेगी। प्रदेश भर में 3 लाख गर्भवती महिलाओं को लाभ मिल सकेगा।

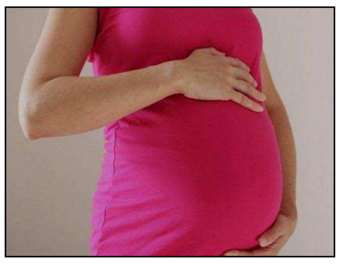

एसीएस (चिकित्सा स्वास्थ्य, मेडिकल शिक्षा) बारां शुभ्रा सिंह ने कहा कि प्रदेश में जिन सरकारी अस्पतालों में सोनोग्राफी की सुविधा नहीं है, उन क्षेत्रों में निजी सोनोग्राफी केन्द्रों पर दूसरी या तीसरी तिमाही में कम से कम एक जांच निःशुल्क करवाने के लिए यह योजना लाई गई है। फिलहाल पायलट प्रोजेक्ट के तहत तीन जिलों में इसे चलाया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों की गर्भवती को जांच के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। अप्रैल से इसे प्रदेश भर में लागू किया जाना प्रस्तावित है।

हमारा वतन साप्ताहिक
HamaraWATANWeekly संस्थापित 1965
राष्ट्रीय विचारधारा की सर्वोत्तम अभिव्यक्ति का प्रतीक

क्या ख़ाक़ लिखे कोई, बरगश्ता ज़माना है,
कांटों पै भी चलना है, दामन भी बचाना है।

क्या भारत वापस आ सकता है कोहिनूर

ब्रिटिश म्यूजियम ने अगस्त 2023 में बताया कि उसके यहां से करीब दो हजार प्राचीन वस्तुएं चोरी हो गई हैं। ये चीजें ग्रीस और रोम सेक्शन में रखी थीं। इसके करीब छह महीने बाद जांच टीम ने एक क्यूरेटर को स्टोर रूम में चोरी करते हुए पकड़ लिया। चोरी हुई 356 बहुमूल्य चीजें तो बरामद हो गईं, लेकिन बाकी अब भी लापता हैं। बरामद वस्तुओं में से 10 की प्रदर्शनी लगाई गई है। यह प्रदर्शनी ब्रिटिश संग्रहालय में 'रीडिस्कवरिंग जेम्स' नाम से लगी है। इस साल 15 फरवरी को इसकी शुरुआत हुई और यह दो जून तक चलेगी। म्यूजियम चलाने वाले ट्रस्ट के अध्यक्ष का कहना है कि यह प्रदर्शनी उनके खुलेपन का सबूत है। कोई भी ब्रिटिश म्यूजियम पर यह आरोप नहीं लगा सकता कि वह कलाकृतियों के प्रदर्शन में उदार नहीं है। भले ही ये चीजें सही या गलत तरीके से हासिल की गई हों।म्यूजियम के ऑनलाइन डेटाबेस की एनालिसिस से पता चला कि वहां 212 देशों की कम से कम 22 लाख चीजें थीं। केवल भारत से ले जाई गई प्राचीन वस्तुओं की संख्या ही 52,518 थी। याद रखें कि यह आंकड़ा केवल ब्रिटिश म्यूजियम का है। ब्रिटेन के बाकी संग्रहालयों में जो बेशकीमती भारतीय चीजें हैं, उनका लेखा-जोखा अलग है।दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व की शुरुआत में मेसोपोटामिया के 'एश्नुन्ना के कानून' में कहा गया कि जो चुराया गया है उसे वापस करना होगा। दुर्भाग्य से ऐसा हो नहीं पाता। धरोहरों की वापसी के लिए अंतरराष्ट्रीय समझौतों को लागू करना हमेशा से चुनौतीपूर्ण रहा है। 19वीं सदी के दूसरे उत्तरार्ध तक विजयी सेना अपने दुश्मन देश की प्रॉपर्टी पर कब्जा जमा सकती थी और यह एक स्वीकृत मानदंड था। वैसे समय के साथ कई समझौतों के जरिये इस मुद्दे से निपटने का प्रयास किया गया है। ऐसी पहली कोशिश थी 1874 में ब्रसेल्स डिक्लरेशन। इसके माध्यम से प्राइवेट प्रॉपर्टी की सुरक्षा का प्रयास हुआ। फिर 1907 में हेग कन्वेंशन आया। इसमें धर्म, कला और विज्ञान से जुड़ी इमारतों को सुरक्षित करने पर बात हुई। पहले के इन दोनों समझौतों में कहीं भी कल्चरल प्रॉपर्टी की बात नहीं थी। इसका पहला जिक्र हुआ 1954 के हेग कन्वेंशन में। इसमें कहा गया कि सशस्त्र संघर्ष के दौरान सांस्कृतिक संपत्तियों की रक्षा होनी चाहिए।साल 1970 में हुए यूनेस्को कन्वेंशन के माध्यम से पहली बार युद्ध के बाहर चोरी हुई कलाकृतियों पर बात हुई। इसका मकसद है कल्चरल प्रॉपर्टी की अवैध तस्करी को रोकना और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से उनकी वापसी। भारत समेत 142 देशों ने इस कन्वेंशन को माना है। इसके बाद 1972 के यूनेस्को कन्वेंशन को सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत की सुरक्षा, संरक्षण और प्रदर्शन के लिए अपनाया गया। इसे मानने वाले देशों की संख्या 194 रही। UNIDROIT कन्वेंशन 1995 में हुआ। यह चोरी या अवैध रूप से निर्यात की गई सांस्कृतिक वस्तुओं की वापसी पर जोर देता है।

राम गोपाल सैनी

क्या आप स्मार्टवॉच फ्रीक हैं? तो जानिए ये आपकी फिटनेस में कितनी मददगार हो सकती है

यदि आप गैजेट फ्रीक हैं, तो आपको स्मार्टवॉच जरूर खरीदनी चाहिए। क्योंकि यह आपको फिट रखने में आपकी मददगार साबित हो सकती है। आज की तेजी से भागती जीवनशैली को देखते हुए, हम में से अधिकांश अनजाने में एक गतिहीन दिनचर्या में फंस जाते हैं। महामारी के बाद हमारे जीवन में वर्क फ्रॉम होम या हाइब्रिड वर्क कल्चर, और ऑनलाइन क्लास आई। आज, अधिकांश लोग दिन भर अपने कंप्यूटर के सामने बैठे रहते हैं। और ये सब बिल्कुल भी स्वस्थ नहीं, है ना? वास्तव में, लोग आज टीवी, स्मार्टफोन और लैपटॉप पर जितना समय बिताते हैं, वह स्वस्थ और फिट रहने के लिए खर्च किए जाने वाले समय से कहीं अधिक है।

लेकिन हमारे पास ऐसे गैजेट भी हैं, जो हमारी मदद कर सकते हैं। हम बात कर रहे हैं स्मार्टवॉच की !स्मार्टवॉच की पेशकश सबसे सरल, आसानी से सुलभ और कुशल उपकरणों में से एक है। दिन भर में हमारे शरीर की गतिविधि, नींद, पानी का सेवन आदि में मूल्यवान अंतर्दृष्टि, हमें खुद को सक्रिय और फिट रहने के लिए प्रेरित करने की अनुमति देती है।

वे एक स्वस्थ जीवन शैली को प्रोत्साहित करते हैं-निष्क्रियता अलर्ट, अलार्म सेटिंग्स और स्टेप काउंटर जैसी सुविधाएं लोगों को एक निर्धारित दिनचर्या का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं। इसके अलावा, ये गतिविधि ट्रैकिंग सुविधाओं को पहनने वालों को उनके दैनिक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए प्रेरित करती है। जब परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं, तो कड़ी मेहनत करने की मानवीय प्रवृत्ति होती है, और स्मार्टवॉच इस विशेषता का पूरी तरह से लाभ उठाती हैं। यह उपकरण पहनने वाले की शारीरिक फिटनेस को नियमित रूप से उन्हें उनके दैनिक लक्ष्यों के बारे में याद दिलाता है और उन्हें प्राप्त करने के बाद उनके लक्ष्यों को आगे बढ़ाता है।चाहे आप एक पुराने रोगी हैं, जिन्हें नियमित दवा लेने की आवश्यकता है या डॉक्टर को आपके स्वास्थ्य के बारे में इनसाइट देने की आवश्यकता है, स्मार्टवॉच आपकी पूरी तरह से सहायता कर सकती हैं। डेटा ट्रैकिंग और आपके स्वास्थ्य और स्वास्थ्य जानकारी के गहन विश्लेषण जैसी उल्लेखनीय विशेषताओं के साथ एकीकृत, यह पहनने योग्य तकनीक उपयोगकर्ताओं के स्वास्थ्य सुधार को कुशलतापूर्वक मॉनिटर करने में मदद करती है। साथ ही, उपयोगकर्ता अपने तापमान और हृदय गति की बार-बार जांच करके अपनी जीवनशैली या पुरानी चिकित्सा स्थितियों को महत्वपूर्ण रूप से नियंत्रित कर सकते हैं।

वे मासिक धर्म चक्र और मैप सिंटम्स को ट्रैक करते हैं-वे दिन गए जब मासिक धर्म एक वर्जित विषय था, जिसे सार्वजनिक रूप से बातचीत करने की मनाही थी। फ्यूचरिस्टिक स्मार्टवॉच उन विशेषताओं से लैस हैं जो महिलाओं को कैलेंडर पर लाल घेरे को चिह्नित किए बिना उनके मासिक धर्म चक्र पर नज़र रखने की अनुमति देती हैं। इसके अलावा, स्मार्टवॉच महत्वपूर्ण संकेतों की निगरानी के लिए लक्षण मानचित्रण का भी उपयोग करती हैं। वास्तव में, ये उपकरण कोविड-19 वायरस से जुड़े कुछ मापदंडों पर नज़र रखने के लिए अविश्वसनीय रूप से उपयोगी साबित हुए हैं।

गर्भावस्था की शुरुआत में पौष्टिक आहार कम कर सकता है जेस्टेशनल डायबटीज का जोखिम

डायबिटीज एक जोखिम ग्रस्त स्वास्थ्य स्थिति है। इसका असर आपके गर्भस्थ शिशु पर भी हो सकता है। तब क्या इससे बचा जा सकता है? डायबिटीज पूरी दुनिया में तेजी से बढ़ती खतरनाक स्वास्थ्य स्थितियों में से एक है। टाइप 1 और टाइप 2 डायबिटीज के अलावा डायबिटीज का एक तीसरा प्रकार भी है, जो स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर सकता है। गर्भकालीन मधुमेह या जेस्टेशनल डायबिटीज गर्भावस्था के दौरान महिलाओं में देखने में आती है। मां और बच्चे दोनों के स्वास्थ्य पर इसके नकारात्मक प्रभाव हो सकते हैं। तो क्या है इससे बचाव का उपाय? यह नया शोध इसी के बारे में कुछ बता रहा है।

क्या है जेस्टेशनल डायबिटीज-गर्भावस्था के दौरान महिलाओं में जेस्टेशनल डायबिटीज हो सकती है। जिसके कारण प्रेगनेंसी में भी कई प्रकार की समस्याएं हो सकती हैं। इसका गर्भ में पल रहे बच्चे पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। गर्भावस्था के दौरान जेस्टेशनल डायबिटीज के होने का मुख्य कारण हार्मोन्स में बदलाव है। जब प्रेगनेंसी में हार्मोन में बदलाव होते हैं, तो ब्लड शुगर लेवल काफी बढ़ जाता है। हालांकि एक नए शोध में इसे रोकने के लिए एक बेहतरीन समाधान सामने आया है।

शिशु पर कैसे असर डालती है जेस्टेशनल डायबिटीज?
शिशु को पोषण खून के जरिए मिलता है। जब माता के शरीर में शुगर लेवल ज्यादा होता है, तो शिशु एक्स्ट्रा शुगर को फैट के रूप में स्टोर करता है। इससे उसका साइज सामान्य से काफी बड़ा हो सकता है। जिसके कारण बच्चे में कई प्रकार की समस्याएं उत्पन्न होने लगती है। जैसे मिनरल की कमी, पीलिया, 9 महीने से पहले ही डिलीवरी हो जाना, जन्म के बाद सांस लेने में समस्याएं। इसके अलावा मोटापे और डायबिटीज की समस्या सबसे आम है।

तो क्या कहता है शोध?
यह शोध तुर्कू विश्वविद्यालय और तुर्कू विश्वविद्यालय अस्पताल में किए गया। जिसे यूरोपियन जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन' में प्रकाशित किया गया है। अध्ययन में पाया गया के कि आहार संबंधित आदतों का मोटापे और गर्भवती महिलाओं में गर्भकालीन मधुमेह यानी जेस्टेशनल डायबिटीज की शुरुआत दोनों पर प्रभाव पड़ता है। मां-बच्चों पर किए गए अध्ययन ने 351 अधिक वजन या मोटापे से ग्रस्त महिलाओं में आहार सेवन और जेस्टेशनल डायबिटीज की शुरुआत के बीच संबंध की जांच की।

चमत्कारेश्वर महादेव मंदिर में हुआ हनुमान चालीसा का पाठ, बजरंग सिंह काचरेड़ा रहे मुख्य अतिथि

जयपुर (हमारा वतन)। जयपुर शहर के एनबीसी के पीछे कान्ता कॉलोनी स्थित चमत्कारेश्वर महादेव मंदिर में सर्व हिंदू समाज की ओर से विशाल हनुमान चालीसा पाठ और महा आरती का आयोजन विनायक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष बजरंग सिंह काचरेड़ा के सानिध्य में आयोजित किया गया।

विनायक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष बजरंग सिंह काचरेड़ा ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे हिंदुस्तान में सभी धर्मो का आदर किया जाता है, इसलिए आप सभी भाईचारे के साथ रहें । सभी लोग एक दूसरे के धर्म का सम्मान करें,जिससे शांति और इंसानियत बनी रहे । अगर फिर भी कोई समस्या पैदा करता है तो उसका समाधान करने के लिए प्रशासन तैयार है । सभी पुलिस के जवानों को दुपट्टा पहनाकर आभार जताया।

आयोजक संजीव मिश्रा और मंदिर पुजारी करण सिंह ने बताया कि इस चमत्कारी महादेव मंदिर में जो सच्चे मन से आता है उसकी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं । मंदिर की रंग बिरंगी रोशनी से भव्य सजावट की गई । भगवान शिव और हनुमानजी की फूलों से भव्य झांकी सजायी गयी । सनातन धर्म को जीवित रखने के लिए हम सभी को समय-समय पर ऐसे आयोजन करते रहने चाहिए, जिससे नई पीढ़ी को भी इसकी जानकारी रहे और उनमें धर्म के प्रति भाव पैदा हों ।

इस अवसर पर विनोद जांगिड़ गोरक्षा प्रमुख पार्वती नगर, प्रकाश गुढ़ा, निक्की स्वामी, जितेंद्र गौतम, गजेंद्र मेहरा,रामावतार, हरवीर चौधरी,राजकुमार दानोदिया,अमर सिंह,धीरज धानका,पृथ्वी सिंह,शंकर सिंह राजावत,बृद्धिचंद कुशवाहा,चंदन रावत,नितेश वर्मा,अनिल राय,लाखन सिंह,अजयपाल,आशीष वर्मा,कुलदीप वर्मा,मनोज शर्मा,मनोज पाल ,अमित, बिरजेश,रामाशीष प्रजापति, राहुल यादव, मनीष मेहरा, हरशु, तन्नू मिश्रा,गीता देवी,चांदनी देवी,अनिता वर्मा,शालू देवी,श्यामा कवर,बबिता वर्मा,कमलेश देवी सहित बड़ी संख्या में महिला-पुरुष और बच्चों ने एक स्वर में हनुमान चालीसा का पाठ किया।

इन संगठनों का रहा सहयोग -
इस दौरान हिंदू जागरण मंच, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, सनातन धर्म, विनायक दल फाउंडेशन, प्रताप सेना, बिहार समाज संगठन, सर्व हिंदू समाज आदि का पूर्ण सहयोग रहा ।

कामदा सप्तमी व्रत से होती है सभी समस्याएं दूर

कामदा सप्तमी व्रत हिन्दू धर्म अपना एक अलग महत्व रखता है। ज्योतिष शास्त्र में कामदा सप्तमी व्रत का विशेष महत्व होता है। कामदा सप्तमी व्रत पूर्णतयः भगवान सूर्य को समर्पित होता है। शास्त्रों में इस व्रत को कामना पूर्ति के लिए खास माना गया है।कामदा सप्तमी व्रत है, इस व्रत को करने से साधक की सभी मनोकामनाएं पूरी होती है, तो आइए हम आपको कामदा सप्तमी व्रत के महत्व एवं पूजा विधि के बारे में बताते हैं।

जानें कामदा सप्तमी व्रत के बारे में-कामदा सप्तमी व्रत हिन्दू धर्म अपना एक अलग महत्व रखता है। ज्योतिष शास्त्र में कामदा सप्तमी व्रत का विशेष महत्व होता है। कामदा सप्तमी व्रत पूर्णतयः भगवान सूर्य को समर्पित होता है। शास्त्रों में इस व्रत को कामना पूर्ति के लिए खास माना गया है। कामनाओं को पूरा करने वाला यह व्रत पूरे वर्ष भर चलने वाला व्रत होता है। यह व्रत प्रत्येक शुक्ल सप्तमी को किया जाता है और हर चौमासे अर्थात् हर चार माह में इस व्रत का पारण करना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि इस व्रत को करने से स्वास्थ्य, धन, संतान और पद-प्रतिष्ठा की प्राप्ति होती है। ब्रह्मा जी ने कामदा व्रत की महिमा और महत्व भगवान विष्णु जी बतायी थी।कामदा सप्तमी का दिन विशेष रूप से भगवान सूर्य देव को समर्पित है। कामदा सप्तमी का व्रत भक्त मनोकामनाओं की पूर्ति हेतु करते हैं। प्रत्येक माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी यह व्रत किया जाता है और हर चौमासे यानी कि चार माह में व्रत का पारण करना चाहिए। कामदा सप्तमी का व्रत इस बार 16 मार्च 2024 को रखा गया। कामदा सप्तमी व्रत की महिमा स्वयं ब्रह्मा जी ने अपने श्रीमुख से भगवान विष्णु को बतायी थी। इस व्रत को उन लोगों को करने से विशेष लाभ मिलता है जिन्हें संतान नहीं होती है और जिन्हें धन संबंधी समस्याएं लगातार बनी रहती है। ग्रहों के राजा भगवान सूर्यदेव का आर्शीवाद जीवन में आ रही सभी समस्याओं को दूर करने में मदद करता है।

कामदा सप्तमी का महत्व-ज्योतिष शास्त्र के अनुसार व्यक्ति का जीवन उसके जन्म कुण्डली पर निर्भर करता है। जिन व्यक्ति की कुण्डली में सूर्य नीच स्थान पर होता है उनके जीवन में काफी परेशानियां और धन आदि की हानि होती है। कामदा सप्तमी व्रत करने से इन सभी परेशानियों से निजात मिलता है। कामदा सप्तमी व्रत करने से व्यक्ति की कुण्डली में सूर्य बलवान होता है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा आती है।

कामदा सप्तमी व्रत में ऐसे करें पूजा-शास्त्रों के अनुसार कामदा सप्तमी का दिन खास होता है इस दिन विशेष पूजा करें। इसके लिए षष्ठी को एक समय भोजन करके सप्तमी को निराहार रहकर, खखोल्काय नमः मन्त्र से सूर्य भगवान की पूजा करें और अष्टमी को तुलसी दल के समान अर्क के पत्तों का सेवन करें। प्रातः स्नानादि के बाद सूर्य भगवान की पूजा की जाती है सारा दिन सूर्याय नमः मन्त्र से भगवान का स्मरण किया जाता है। अष्टमी को स्नान करके सूर्य देव का हवन पूजन किया जाता है। सूर्य भगवान् का पूजन करके आज घी, गुड़ इत्यादि का दान किया जाता है और दूसरे दिन ब्राह्मणों का पूजन करके खीर खिलाने का विधान है।कामदा सप्तमी से एक दिन पूर्व षष्ठी को एक समय भोजन करके सप्तमी को निराहार रहकर, खरखोल्काय नमः मंत्र से सूर्य भगवान की पूजा की जाती है. प्रातः स्नानादि के बाद सूर्य भगवान की पूजा की जाती है।

कामदा सप्तमी व्रत में करें इन नियमों का पालन, मिलेगा लाभ-पंडितों के अनुसार कामदा सप्तमी को निराहार व्रत करना होता है। प्रातः स्नानादि के बाद सूर्य भगवान की पूजा की जाती है। सूर्य भगवान का पूजन करके आज घी, गुड़ इत्यादि का दान किया जाता है। सारा दिन सूर्याय नमः मंत्र से भगवान का स्मरण किया जाता है। मंदिर के पुजारी को भोजन करवाकर दक्षिणा दें। अष्टमी को स्नान करके सूर्य देव का हवन पूजन करें।

होली से पहले घर लाएं 5 चीजें, पैसों से भरी रहेगी जेब

फेंग शुई चाइनीज शास्त्र है। फेंग शुई में ऐसे कई टिप्स बताए गए हैं, जिनकी मदद से आप अपनी फाइनेंशियल सिचूऐशन को सुधार सकते हैं। फेंग शुई के अनुसार, कुछ चीजों को घर में रखने से नेगेटिव एनर्जी दूर होती है और घर की बरकत बनी रहती है। इसलिए अगर आप भी धन की तंगी से परेशान हैं तो होली से पहले ही फेंग शुई की ये लकी चीजें घर ले आयें।

फेंगशुई कछुआ- अगर आपको अपने करियर में दिक्कतों का सामना पड़ रहा है तो होली से पहले ही फेंगशुई का कछुआ घर लाएं। फेंगशुई का कछुआ घर या ऑफिस में रखने से व्यक्ति की समाज में पद-प्रतिष्ठा बढ़ती है और आर्थिक दिक्कतें भी दूर होती हैं।

चीनी सिक्के- फेंग शुई शस्त्र में चीनी सिक्कों का विशेष महत्व बताया गया है। लाल रंग या लाल धागे में इन सिक्कों को लपेटकर घर के मुख्य दरवाजे पर लटकाने से घर में पॉजिटिव एनर्जी का फ्लो बना रहता है।

बैंबू ट्री- बांस का पौधा घर के लिए बेहद ही लकी माना जाता है। पूरब की दिशा में बैंबू ट्री लगाने से परिवार के सभी सदस्यों का स्वास्थ्य अच्छा रहता है। घर में बैंबू ट्री लगाने से परिवार में सुख-समृद्धि भी बनी रहती है।

लाफिंग बुद्धा- फेंगशुई विद्या के अनुसार, घर में लाफिंग बुद्धा रखना बेहद शुभ माना जाता है। घर में लाफिंग बुद्धा रखने से घर की समृद्धि बरकरार रहती है। ज्यादातर मेन डोर के सामने लाफिंग बुद्धा को रखना चाहिए, जिससे घर में घुसते ही पहली नजर लाफिंग बुद्धा पर पड़े।

फिश एक्वेरियम- अगर आपकी आर्थिक रूप से कमजोर हैं तो अपने घर में फिश एक्वेरियम धनतेरस पर ले आएं। घर में फिश एक्वेरियम रखने से घर की कंगाली दूर होती हैं।

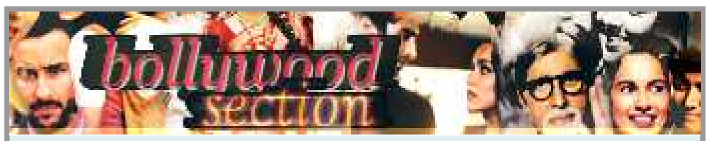

अदा शर्मा ने क्यों बोला वामपंथियों को सड़क पर गोली मारने वाला डायलॉग? बोलीं- चाहती थी लोग सोचें कि...

अदा शर्मा की फिल्म बस्तर- द नक्सल स्टोरी 15 मार्च को रिलीज हुई। दावा किया जा रहा है कि मूवी छत्तीसगढ़ के नक्सल्स की असल जिंदगी पर आधारित है। फिल्म का टीजर और ट्रेलर देखकर कुछ लोग नाखुश हैं। इसे प्रोपागैंडा फिल्म भी बताया जा रहा है। टीजर में अदा शर्मा जेएनयू पर एक डायलॉग बोलती दिखी थीं। इस पर भी कुछ लोगों को आपत्ति हुई थी। कुल मिलाकर अदा शर्मा की एक्टिंग की तारीफ हो रही है। अब उन्होंने बताया है कि जेएनयू पर वो विवादित डायलॉग बोलना क्यों जस्टिफाइड है।

इस डायलॉग पर कॉन्ट्रोवर्सी-अदा शर्मा बीते साल विपुल शाह के साथ द केरल स्टोरी फिल्म से लोगों को इम्प्रेस कर चुकी हैं। अब उनकी मूवी बस्तर- द नक्सल स्टोरी के चर्चे हैं। टीजर में अदा शर्मा बोलती हैं, पाकिस्तान के साथ हुए 4 युद्धों में हमारे 8738 जवान शहीद हुए हैं लेकिन क्या आपको पता है कि हमारे देश के अंदर नक्सलियों ने 15 हजार से ज्यादा जवानों की हत्या की है। बस्तर में हमारे 76 जवानों को नक्सलियों ने बड़ी क्रुरता से मारा था। तब इसका जश्न मनाया गया जेएनयू में। सोचिए हमारे देश की इतनी प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी हमारे जवानों की शहादत पर जश्न मनाती है।

मार दूंगी गोली-कहां से आती है ऐसी सोच। बस्तर में भारत के टुकड़े करने की साजिश कर रहे हैं ये नक्सली और उनका साथ दे रहे हैं शहरों में बैठे लेफ्ट लिबरल सूडो इंटेलेक्कुअल्स। इन वामपंथियों को सड़क पर खड़ाकर सरेआम गोली मार दूंगी। चढ़ा देना फांसी पर। इस डायलॉग्स ने एक खास वर्ग को नाराज कर दिया है। अदा शर्मा ने बातचीत में बताया कि उनका ये डॉयलॉग क्यों ठीक था।

नीरजा ऐसा बोल सकती है-अदा बोलती हैं, जब आप नीरजा माथुर जैसे बस्तर के टफ पुलिस अफसर बनते हैं, मैं चाहती थी कि लोग सोचें कि मैंने उसको बिना डरे और पावरफुल तरीके से निभाया। मैं चाहती थी कि लोग हर उस शब्द पर यकीन करें जो फिल्म में बोला है। जब वह बोलती है कि 76 जवानों की बुरी तरह हत्या कर दी गई और वह उन लोगों को गोली से उड़ा देना चाहती है तो वह फ्रस्ट्रेशन में बोल रही थी। क्योंकि उसने जवान को गोलियां खाते और टुकड़े होते देखा है। मैं अदा शर्मा के तौर पर ऐसा नहीं कह सकती लेकिन नीरजा बोल सकती है।

फ्लॉप फिल्मों के बाद सारा अली खान के साथ गलत बिहेव करने लगे थे लोग, कहा- डिनर टेबल पर तो...

सारा अली खान बॉलीवुड की यंग एक्ट्रेसेस में से एक हैं। सारा ने साल 2018 में फिल्म केदारनाथ से डेब्यू किया था। इस फिल्म से सारा को सक्सेस मिली, हालांकि इसके बाद सारा की कुछ फिल्में चली नहीं। सारा ने अब बताया कि कैसे जब उनकी लाइफ में फेलियर आए तो जो लोग उनके साथ हमेशा अच्छे से रहते थे, अचानक उनका बिहेवियर बदल गया। लोग उनके साथ अलग बिहेव करने लगे थे।

फिल्में फ्लॉप होने पर बदले लोग-बॉलीवुड लाइफ को दिए इंटरव्यू में सारा ने बताया कि जो लोग उन्हें इन्वाइट करते थे पार्टी में वो अब ओके हैं अगर सारा उनके इवेंट्स अटेंड नहीं करते हैं। सबके बिहेवियर बदल गए थे जिससे वह हर्ट हो गई थीं, लेकिन इससे उन्होंने सीख ली है। वह बोलीं, मुझे याद है साल 2018 में मुझे लगा कि मैं दुनिया में सबसे टॉप पर हूं। मुझे जो प्यार मिला वैसा प्यार कभी नहीं मिला। इसके बाद अचानक मुझे नीचे गिरा दिया। एक रात में जो लोग मुझे बोलते थे कि सारा तुम्हें आना ही होगा वो बोलने लगे कि हां आएगी तो चलेगा।

जाह्नवी से कम्पेयर पर बोलीं-सारा से फिर जाह्नवी जैसी एक्ट्रेस के साथ कम्पैरिजन होने पर कहा कि सबकी अपनी किस्मत है और सबकी अपनी जगह है। दिक्कत तब आती है जब किसी और की तरह बनना चाहते हो क्योंकि सबका अपना क्राफ्ट है।

रश्मिका ने दिया रिलेशनशिप का हिंट: बॉयफ्रेंड विजय देवरकोंडा की कैप पहनकर सोशल मीडिया पर फोटो शेयर की

रश्मिका मंदाना, विजय देवरकोंडा के साथ रिलेशनशिप को लेकर चर्चा में रहती हैं। ऐसे में अब एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें रश्मिका, विजय की कैप पहने नजर आ रही हैं। रश्मिका ने वुमन डे के दिन अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर साझा की। वे फोटो में ब्लू स्वेटर और पिंक वुलेन कैप पहने नजर आईं। ये फोटो देखते ही फैंस ने कयास लगाने शुरू कर दिए। दरअसल उसी तरह की पिंक वुलेन कैप में विजय को भी पिछले साल न्यूयॉर्क में देखा गया था। एक्टर ने कैप पहने सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी शेयर किया था। रश्मिका ने अपनी तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन लिखा- मेरी सभी प्यारी महिलाओं को वुमन डे की बधाइयां। वुमन होना किसी वरदान से कम नहीं है- ये बात हमेशा याद रखें।रश्मिका के इस पोस्ट पर यूजर्स ने भी अपने रिएक्शन दिए। जहां एक यूजर ने लिखा- विजय देवरकोंडा की टोपी है ये। वहीं दूसरे यूजर ने लिखा- विजय देवरकोंडा की कैप रश्मिका ने पहनी हुई है।रिपोर्ट्स की मानें तो विजय और रश्मिका एक-दूसरे के साथ रिलेशनशिप में हैं। दोनों आए दिन साथ में वेकेशन पर जाते हैं। चर्चा थी कि दोनों हाल ही में वियतनाम ट्रिप पर साथ गए थे। दोनों ने पिछले साल साथ में दिवाली भी सेलिब्रेट की थी और हाल ही में रश्मिका, विजय की हुडी में भी नजर आई थीं। हालांकि, दोनों ने हमेशा एक-दूसरे को बहुत अच्छा दोस्त ही बताया है।

जेसीएस के एहसास-5 अगर तुम ना होते संगीत संध्या में झूम उठे श्रोता

जयपुर (हमारा वतन)। जयपुर के झालाना डूंगरी स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में जयपुर कल्चरल सोसायटी द्वारा आयोजित एहसास-5 अगर तुम ना होते संगीत संध्या में श्रोता झूम उठे । जयपुर शहर की 38 साल पुरानी प्रसिद्द संस्था जयपुर कल्चरल सोसायटी ने संस्थापक स्व.आनन्द गंगवार की तृतीय पुण्यतिथी के अवसर पर संगीतमय शाम अगर तुम ना होते का आयोजन किया। जिसमें अपनी गायकी के शौक को निभाते हुये शहर के कई गायक कलाकारों ने शाम को सुरीला बना दिया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि प्रसिद्ध उद्यमी नरेन्द्र सिंह मेहता और वरिष्ठ नृत्य गुरु और फिल्म अभिनेत्री उषा श्री ने सरस्वती माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया । साथ ही आनंद गंगवार को पुष्पांजलि अर्पित की । सोसायटी अध्यक्ष कंचन आनन्द ने सभी अतिथियों का शाल, दुपट्टा और मोमेंटो भेंट कर स्वागत-सम्मान किया। कंचन आनन्द ने बताया कि संस्था पिछले करीब 38 सालों से सभी छोटे-बड़े कलाकारों को मंच प्रदान कर आगे बढ़ाने का कार्य करती आई है और जयपुर शहर में कराओके पर गायन के जो प्रोगाम हैं उनकी शुरूआत जेसीएस द्वारा ही की गई थी । संस्था सचिव मुकेश पारीक और कार्यक्रम निर्देशक संजय चन्दनानी ने बताया कि इस संगीतमय कार्यक्रम में शहर के करीब 40 कलाकारों ने लाइव बैंड पर एसडी बर्मन और आरडी बर्मन द्वारा फिल्मी संगीत से रचे बसे करीब 40 तराने प्रस्तुत कर दर्शकों की वाहवाही लूटी। सभी सिंगर्स को मोमेंटो भेंटकर सम्मानित किया गया । इस दौरान आनन्द गंगवार की दोनों बेटियों आकृति गंगवार और स्तुति गंगवार ने भी शिरकत की और माँ द्वारा किए जा रहे कार्य की हौसला अफजाई की। कार्यक्रम के दौरान पूरा ऑडिटोरियम म्यूजिक लवर्स से खचाखच भरा था ।

मधुर संगीत संध्या में जेसीएस की अध्यक्ष कंचन आनन्द,मुख्य अतिथी एनएस मेहता, कार्यक्रम निर्देशक संजय चन्दनानी तथा मुकेश पारीक सहित प्रसिद्ध गायक पुनीत गुप्ता, प्रियंका गौड़, जीएल पारीक, प्रीति पुरोहित, डॉ. वर्षा श्रीवास्तव, पूनम जैन, शेखर श्रीवास्तव, कैलाश सोलंकी, उर्मिला नियति, ज्योति सुखनानी, अंजू सुखीजा, अम्बे माथुर, दीपा जैन, मौसमी चटर्जी, शशिकांत आर्य, वन्दना जैमिनी आदि ने नये पुराने गीत प्रस्तुत किये। जिनमें मुख्यतया अगर तुम ना होते, तेरे बिना जिंदगी से कोई, किस मोड पे जाते हो, हाल कैसा है जनाब का, गुनगुना रहे है भँवरे, हां मैने कसम ली, शोखियों में घोला जाये, अच्छा जी मैं हारी, रिमझिम रिमझिम आदि गीत प्रमुख रहे। प्रभावी मंच संचालन भारती शर्मा द्वारा किया गया।

सौ दिवसीय कार्ययोजना एवं बजट घोषणाओं की समीक्षा बैठक

आईटी एक्सपर्ट्स की सेवाएं लेकर साइबर क्राइम को करें नियंत्रित : मुख्यमंत्री

जयपुर(नि.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में साइबर क्राइम पर प्रभावी नियंत्रण के लिए गृह विभाग, पुलिस मुख्यालय एवं जिलों में पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आईटी एक्सपर्ट्स की सेवाएं लेने के निर्देश दिए। शर्मा मुख्यमंत्री कार्यालय में सौ दिवसीय कार्ययोजना में शामिल बिन्दुओं, बजट घोषणाओं सहित अन्य घोषणाओं की क्रियान्विति पर आयोजित समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने उद्योग विभाग को राजस्व वृद्धि के अनुरूप औद्योगिक क्षेत्रों में भूमि का मूल्यांकन कर उपयोग करने, प्रत्येक संभाग में एमएसएमई विकास एवं सुविधा केन्द्र कार्ययोजना अनुरूप शीघ्र स्थापित करने एवं राजस्व विभाग को समस्त राजस्व न्यायालयों में प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। शर्मा ने नगरीय आवासन विभाग को सवाई मानसिंह अस्पताल में बन रहे आईपीडी टावर के लिए पार्किंग स्थल बनाने हेतु कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वायत्त शासन विभाग जोधपुर, उदयपुर, अजमेर तथा बीकानेर शहर में सार्वजनिक पार्किंग एवं मार्केट एरिया में पार्किंग की व्यवस्था हेतु कार्ययोजना बनाए।

मुख्यमंत्री ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को गर्मी के मौसम को देखते हुए शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की सुचारू आपूर्ति के लिए कंटिन्जेंसी प्लान बनाने एवं जल जीवन मिशन के तहत प्रदेश में चल रहे कार्यों को तय समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर दवाईयों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने एवं अस्पताल परिसर में साफ-सफाई के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग को प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए कार्य गति बढ़ाने के निर्देश भी दिए। शर्मा ने प्रदेश की ऊर्जा क्षमता को बढ़ाने के लिए स्थापित किए जाने वाले सोलर पार्कों के कार्य को शीघ्र पूरा करने के लिए निर्देशित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने निर्देश दिए कि 100 दिवसीय कार्ययोजना के तय लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सभी विभाग नियमित मॉनिटरिंग करें। उन्होंने कहा कि आमजन को सुशासन के माध्यम से राहत पहुंचाना राज्य सरकार का प्रमुख ध्येय है।

योगिता जोशी को मिली पीएचडी की उपाधि

जयपुर (हमारा वतन)। वेदांता इंटरनेशनल स्कूल जयपुर की प्राचार्य योगिता जोशी को भगवंत यूनिवर्सिटी, अजमेर ने डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) की उपाधि प्रदान की है। उन्हें यह उपाधि ए स्टडी ऑफ़ पोस्ट मॉडर्न रियलिटीज एंड फेमिनिस्ट पर्सपेक्टिवस इन द फिक्शन ऑफ अनिता देसाई विषय पर शोध कार्य पूर्ण करने पर दी गई है । इन्होंने अपना शोध कार्य प्रो. डॉ.सुरेश कुमार के निर्देशन में पूर्ण किया है। गौरतलब है की डॉ. योगिता जोशी साहित्य में भी अच्छी पकड़ रखती है । मैं खुलकर जीती हूँ और एहसास काव्य संग्रह प्रकाशित हो चुके है जो पाठकों में काफी लोकप्रिय हैं ।

(कविता)

वसंत आ गया है

खिले गुलशन चमन बता
रहे हैं वसंत आ गया है
मदमस्त हवाएं चल रही
है वसंत आ गया है
कोयल की कूक गा रही
गुनगुना रही है
सोंधी सी मिट्टी की
खुशबू है वसंत
आ गया है
छाए हैं बादल आसमान
पर नदियां गा रही है
आनंद में है भंवरा
गुनगुना रहा वसंत
आ गया है
रात की चांदनी चांद को
ले आगोश में
सुला रही है
सितारों की रौनक बता
रही है वसंत आ गया है
खिली सी धूप में सरसों
के फूल खिल रहे हैं
पंछी गगन से कह रहे हैं
वसंत आ गया है
झोंके पवन के चल रहे
गीत गा रहे हैं
फूलों से कह रही
तितलियां वसंत
आ गया है

-विनोद शर्मा वेणु,
नेछवा सीकर

(कविता)

निर्मल मन से खेलें होली

होली का त्यौहार
यह प्यारा,
सबके मन को भाता है ।
रंग हमारे जीवन में भी,
नव उत्साह जगाता है ।
भूल के हम नफरत
को अपनी,
सबको रंग लगाते हैं ।
किसकी जाति
धर्म वगैरह,
भूलभाल सब जाते हैं।
होली को हम अंग्रेजी की
होली सदा बनाएंगे ।
खुशियां बाँटेंगे
हम सबको,
अच्छे मनुष्य कहलाएंगे।
रंग किसी से
भेद न करते,
सबके पास ये जाते हैं।
जिन-जिन
गालों पर लगते हैं,
वे सब बस मुस्काते हैं।
भाईचारे का पर्व है होली,
इसका रख ध्यान।
निर्मल मन से
होली खेलें,
बन कर हम इंसान।

-डॉ. योगिता जोशी,
जयपुर

(कविता)

आया हूँ

मैं ऊपरी मंजिल से
उतर आया हूँ
के ख्वाब के हर पर
कुतर आया हूँ
होश है के मैं हूँ
किसकी जद में
उम्मीद को ताज्जुब
है के किधर आया हूँ
वायदा झूठा करने
को न राजी था मैं
झूठा वायदा
करने से मुकर आया हूँ
न पूछ हालात कैसा
है मेरे अंदर का
मैं अपने दिलो -दिमाग
से गुजर आया हूँ
मुझे तलाश है खुद
की अब भी
बड़ी मुश्किल से खुद
को नजर आया हूँ
मुझे रहने दे मुझमें
लम्बे वक्त के लिए
ये दुनिया देख - देख
कर घर आया हूँ

-सिद्धार्थ गोरखपुरी

भाजपा देश की सबसे भ्रष्ट पार्टी है, जिसने भ्रष्टाचार का सरकारीकरण कर दिया है : अशोक गहलोत

जयपुर (नि.सं.)। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने एक्स पर भाजपा पर इलेक्टोरल बॉन्ड के मुद्दे पर निशाना साधा है । एक्स पर गहलोत ने कहा कि इलेक्टोरल बॉन्ड का डाटा सार्वजनिक होने के बाद भारतीय जनता पार्टी द्वारा मचाई गई लूट देश के सामने आ गई है। गहलोत ने लिखा कि इलेक्टोरल बॉन्ड की जानकारी से तो ऐसा लगता है कि श्रष्ठ भाजपा का एक्सटोर्सन डिपार्टमेंट बनकर रह गई है। जिन कंपनियों पर केन्द्रीय एजेंसियों ने छापे मारे, उन्होंने ही भाजपा को इलेक्टोरल बॉन्ड से चंदा दिया और उन पर चल रही कार्रवाई रुक गई। भाजपा ने सट्टेबाजी, जुआ आदि का काम करने वाली कंपनियों तक से चंदा लिया है। ये ही भाजपा के चरित्र का सत्यापन है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शुरू से कह रहे थी कि इलेक्टोरल बॉन्ड देश का सबसे बड़ा घोटाला है। अब ये देश के सामने आ गया है कि भाजपा देश की सबसे भ्रष्ट पार्टी है जिसने भ्रष्टाचार का सरकारीकरण कर दिया है। ऐसा पहली बार देखा गया है कि जो कंपनियां घाटे में चल रही हैं वो भी करोड़ों का चंदा भाजपा को दे रही हैं। भाजपा के दबाव में मीडिया भी इलेक्टोरल बॉन्ड के मुद्दे पर कोई चर्चा नहीं दिखा रही है। यह एक लोकतंत्र में उचित नहीं है कि जनता को सच्चाई ही ना बताई जाए और गुमराह किया जाए।

जॉब्स

1. आरआरबी, पद टेक्नीशियन, पद संख्या 9144, अंतिम तिथि 8 अप्रैल 2024
2. संघ लोक सेवा आयोग, पद नर्सिंग ऑफिसर, पद संख्या 1930, अंतिम तिथि 27 मार्च 2024
3. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, पद एलडीसी/क्लर्क, पद संख्या 4197, अंतिम तिथि 20 मार्च 2024
4. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, छात्रावास अधीक्षक, पद संख्या 112, अंतिम तिथि 20 मार्च 2024
5. राजस्थान लोक सेवा आयोग, पद पुस्तकालय अध्यक्ष ग्रेड सेकंड, पद संख्या 300, अंतिम तिथि 20 मार्च 2024
6. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, पद महिला सुपरवाइजर, पद संख्या 209, अंतिम तिथि 21 मार्च 2024
7. राजस्थान सफाई कर्मचारी भर्ती, पद सफाई कर्मचारी, पद संख्या 24797, अंतिम तिथि 24 मार्च 2024
8. कर्मचारी चयन आयोग एसएससी, पद एसआई, पद संख्या 4187, अंतिम तिथि 28 मार्च 2024

श्री साईं मंदिर में श्याम बाबा के भजनों पर जमकर झूमे श्रद्धालु

जयपुर (हमारा वतन)। श्री साईं मंदिर ईटावा भोपजी में कोटा से चलकर आई पदयात्रा ने रात्रि विश्राम किया । साईं भक्तों ने पदयात्रियों पर पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया।

विश्राम के दौरान भजन संध्या का आयोजन हुआ जिसमें श्याम भक्तों ने बाबा श्याम के मनमोहक भजनों की प्रस्तुति दी। सभी श्याम भक्त जमकर झूम। भजन संध्या के उपरांत बाबा श्याम और साईं नाथ की

महाआरती का आयोजन हुआ । साईं मंदिर महंत कैप्टन पृथ्वी सिंह नाथावत ने पूजा अर्चना कर भक्तों में प्रसादी वितरण की।

इस मौके पर कोटा से पधारे श्याम भक्त राकेश, सुभाष,कमल टेमानी, तोफान,कैलाश बधाला, कानाराम टेलर, कालू राणा, जितेंद्र सिंह सहित कई श्याम भक्त महिलाएं और बच्चे उपस्थित रहे।

पंडित रविंद्र आचार्य ने किया पुलिस उपायुक्त पश्चिम अमित कुमार बुडानिया का सम्मान

जयपुर (हमारा वतन)। तारा ज्योतिष साधना केंद्र के अध्यक्ष और अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविंद्र आचार्य ने पुलिस उपायुक्त पश्चिम अमित कुमार बुडानिया का सम्मान किया । आचार्य ने सम्मान स्वरूप बाबा श्याम का दुपट्टा, श्याम कलम, शोल और स्वरचित पुस्तक ज्योतिष सार संग्रह भेंट कर सम्मानित किया। साथ में एडिशनल एसपी पश्चिम नीरज कुमार पाठक

को भी बाबा श्याम का दुपट्टा, श्याम कलम भेंटकर सम्मानित किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की इस दौरान श्याम प्रेमी महेंद्र सोनी ,सुरेश शर्मा, मुकेश अग्रवाल, सुमित बंसल ,राकेश दाधीच सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे ।

अभिनेत्री उषा श्री ने रंग संवाद कार्यक्रम में की शिरकत

जयपुर (हमारा वतन)। रवींद्र मंच की डायमंड जुबली के अवसर पर आयोजित रंग उत्सव के दौरान रंग संवाद कार्यक्रम में वरिष्ठ अभिनेत्री और नृत्य गुरु उषा श्री ने कार्यक्रम में भाग लिया। रंग संवाद के दौरान उषा श्री ने कथक नृत्य और लोक नृत्य के संरक्षण पर विचार रखे । कार्यक्रम में डॉ. मधु भट्ट, दिलीप भट्ट, नरेंद्र बाबल, नरेंद्र अरोड़ा, गगन मिश्रा और हिमांशु झाँकल ने भी

अपने-अपने क्षेत्र के विचार प्रस्तुत किए ।मॉडरेट प्रियदर्शनी मिश्रा का रहा ।

लोकसभा चुनाव-2024: 19 अप्रैल को पहला फेज, एक जून को आखिरी

नई दिल्ली (हमारा वतन)। लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान चुनाव आयोग ने कर दिया है। सात चरणों में आम चुनाव करवाए जाएंगे, जबकि चार जून को रिजल्ट की घोषणा होगी। पहले फेज की वोटिंग 19 अप्रैल, दूसरी फेज की वोटिंग 26 अप्रैल, सात

मई को तीसरा फेज, 13 मई को चौथा फेज, 20 मई को पांचवां फेज, 25 मई को छठा फेज और एक जून को सातवें चरण की वोटिंग होगी। 19 अप्रैल को होने वाले पहले चरण में कुल 102 सीटों पर मतदान होंगे, जबकि 26 अप्रैल को 89 सीटों पर, सात मई को 94 सीट, 13 मई को 96 सीट, 20 मई को 49 सीट, 25 मई को 57 सीट और एक जून को 57 सीटों पर वोटिंग होगी।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सबसे पहले कहा कि चुनाव का पर्व, देश का गर्व। उन्होंने बताया कि इस बार 96.8 करोड़ वोटर्स वोट डालने जा रहे हैं। यानी कि करीब 97 करोड़ लोग लोकसभा चुनाव में वोट डालेंगे।

आगामी लोकसभा चुनाव में करीब 1.8 करोड़ वोटर्स ऐसे हैं, जो पहली बार किसी चुनाव में वोट डालने वाले हैं। इसके अलावा 20-29 साल की उम्र के बीच के वोटर्स की संख्या 19.47 करोड़ है। चुनाव आयोग ने बताया है कि जिन उम्मीदवारों के आपराधिक रिकॉर्ड हैं, उन्हें तीन बार इसकी जानकारी देते हुए इश्तिहार देना होगा। कुल मतदाताओं में 49.7 करोड़ पुरुष, 47.1 करोड़ महिलाएं, 48 हजार ट्रांसजेंडर शामिल हैं।

महन्त रामफूल दास का अचरोल पहुंचने पर हुआ भव्य स्वागत

जयपुर (हमारा वतन)। बाबा श्री रामदेव जी महाराज के परम भक्त माली राम , रत्न लाल मीणा के निवास स्थान अचरोल पहुंचने पर परिवार सहित सभी भक्तों ने तिलक,माला पहनाकर स्वागत किया। महन्त रामफूल दास ने बताया कि हर व्यक्ति को अपनी

श्रद्धा अनुसार श्री हरि के गुणगान करना चाहिए।

भक्ति करने से ही भगवान का आशीर्वाद मिलता है ।

बाबा श्री रामदेव जी महाराज ने कहा था जिसकी जैसी भावना वैसा फल पाय। कार्यक्रम में माली राम,लाला राम, शंकर घठवाडा, रत्न लाल मीणा आदि मौजूद रहे।

RNI No. 10311/1965
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल बाहर, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित , मो. 9214996258, 7014468512
प्रबंध सम्पादक : वली मोहम्मद कुरैशी, मो. 9929610759
सहायक सम्पादकः सुरेन्द्र कुमार सैनी
सभी प्रकार के वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र चौमूं शहर होगा।